अहीर समाज छात्रावास एवं सामुदायिक भवन निर्माण भूमि पूजन कार्यक्रम में स्पीकर महोदय का सम्बोधन

1. राजस्थान प्रदेश और पूरे भारत देश में अहीर समाज के लोग कई जगह रहते हैं। देश और प्रदेश की प्रगति में आपका महत्वपूर्ण योगदान है। आज चाहे देश की सेना हो, राज्य की पुलिस हो, व्यापार हो, कृषि हो, खेल हो या राजनीति हो,,,, अहीर (यादव) समाज ने हर जगह अपना परचम लहराया है, समाज ने सभी मोर्चों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं अहीर समाज के सभी लोगों को नमस्कार करता हूँ।

2. आज यहाँ हम सब समाज के छात्रावास और सामुदायिक भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम में उपस्थित हुए हैं। आप सबके बीच आकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। सामुदायिक भवन और छात्रावास का निर्माण मैं समझता हूँ बहुत उपयोगी काम है।

3. साथियों, कोई भी समाज कैसे आगे बढ़ता है! कैसे तरक्की करता है। इस बात पर जब हम गौर करते हैं तो देखते हैं कि वोही समाज आगे बढ़ता है जिसमें बड़े-बुजुर्गों को पूरा सम्मान मिलता है। बड़े-बुजुर्ग मार्गदर्शक की तरह होते हैं, जो आगे बढ़ने का सही रास्ता दिखाते हैं। उनका अनुभव हर समाज को, हर देश को दिशा देता है। इसी के साथ वो समाज आगे बढ़ता है जिसमें बच्चे, और युवा पीढ़ी संस्कारित होती है। युवाओं में बड़े-बुजुर्गों की बात सुनने और बात मानने का भाव होना चाहिए, उनके लिए सम्मान होना चाहिए। आज अहीर (यादव) समाज आगे है तो इसका कारण यहीं है। अहीर समाज आज भी अपनी जड़ों, अपनी परंपराओं से जुड़ा है। बड़ों का सम्मान, सेवा और देशभक्ति जैसे आदर्श अहीर समाज के युवाओं में दिखाई देते हैं।

4. आप लोग सामुदायिक भवन का निर्माण कर रहे हो, मैं इसके लिए आपको बहुत बधाई देता हूँ। सामुदायिक भवन समाज में एकता लाने का काम करते हैं। समाज के लोगों को आपस में जोड़ते हैं। समाज के शादी-ब्याह, कोई आयोजन, सम्मेलन या दूसरे कोई भी कार्यक्रम सामुदायिक भवनों में आयोजित करने से खर्चा भी बचता है और सामूहिकता के साथ काम हो जाता है। इस बचे हुए खर्चे को हम बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और तरक्की में लगाए तो मैं समझता हूँ कि उससे अच्छा काम नहीं हो सकता।

5. मैं अभी महीने भर पहले जब कोटा आया था, तब आपके सामूहिक विवाह सम्मेलन में आपने मुझे बुलाया था और मैं उस कार्यक्रम में भी आया था। मैंने तब भी कहा था कि सामूहिक रूप में हम विवाह जैसे आयोजन करके समाज को आगे बढ़ाने और अपनी तरक्की के लिए काम कर सकते हैं। मैं आज भी यहीं कहूँगा कि समाज विवाह आदि आयोजनों के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन करें। और जो खर्चा हम पुरानी खर्चीली

प्रथाओं पर कर रहे हैं, जिसका कोई अर्थ नहीं है, ऐसे खर्चे बंद कर बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य में पैसा निवेश करें। इसी से हम व्यक्तिगत और सामूहिक उन्नति कर सकते हैं।

6. प्रिय मित्रों, हर समाज में कुछ लोग समृद्ध होते हैं, बहुत से लोग सामान्य होते हैं तो कुछ लोग आर्थिक रूप से कमज़ोर भी होते हैं। हम देखते हैं कि परिवार में भी ऐसा होता है। कोई भाई ज़्यादा समर्थ होता है तो कोई भाई कम समर्थ होता है। मगर वो परिवार और वो समाज तरक्की करता है जिसके सभी सदस्य एक-दूसरे के सहयोग की भावना रखते हैं।

7. हम मेहनत कर अपनी उन्नति तो करें ही लेकिन ये भी ध्यान रखें कि जब हमारा कोई बंधु, कोई साथी पीछे छूट जाए तो हम उसका सहयोग भी कर सकें। ये भावना हमारे अंदर होनी चाहिए। सामुदायिक केंद्रों, सामूहिक कार्यक्रमों और छात्रावासों से ये आपसी सहयोग की भावना मजबूत होती है।

8. सामुदायिक भवन के साथ ही हम समाज समाज के छात्रावास की नींव भी रखने जा रहे हैं। छात्रावास या हॉस्टल की भूमिका युवाओं के विकास में बड़ी महत्वपूर्ण होती है। जब हमारे युवा उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाते हैं, तब हमें होस्टल का महत्व समझ आता है।

9. हमारा कोटा आज पूरे देश में शिक्षा नगरी के रूप में जाना जाता है। आईआईटी और मेडिकल की तैयारी करने के लिए देशभर से छात्र-छात्राएं कोटा आते हैं। यहाँ प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ाई करते हैं। राजस्थान के किसी भी ज़िले या देश के किसी हिस्से से जब कोई अहीर समाज का छात्र, समाज की छात्रा यहाँ कोटा में पढ़ाई करने आएंगे, तो हॉस्टल बन जाने के बाद उसे रहने-खाने की ज़्यादा चिंता नहीं रहेगी। वह पूरे मनोयोग से पढ़ाई कर अपना करियर बना पाएगा। समाज और देश का नाम रोशन कर पाएगा।

10. मैं उम्मीद करता हूँ कि सामूहिक सहयोग से जल्दी ही इस छात्रावास का निर्माण पूरा होगा। इसके निर्माण के बाद समाज के ज़रूरतमन्द बच्चे, काबिल विद्यार्थी जब इस छात्रावास से पढ़कर आगे निकलेंगे, कोई आईएएस-आईपीएस बनेगा, कई डॉक्टर-इंजीनियर, अध्यापक बनेंगे, वो सब समाज का नाम रोशन करेंगे और देश और प्रदेश को अपनी सेवाएं देंगे।

11. अपनी उन्नति के साथ सभी लोगों को साथ लेकर देश की प्रगति में भागीदारी निभाना, देश को आगे बढ़ाना ही देशभक्ति है। यह छात्रावास इस सामूहिक उन्नति में बड़ा सहायक सिद्ध होगा, ऐसी मुझे पूरी उम्मीद है।

12. मैं देख रहा हूँ कि इस कार्यक्रम में युवाओं की भी अच्छी-खासी संख्या है। मैं युवाओं को संदेश दूंगा कि आप पूरी लगन और मेहनत से अपना काम करें।

13. आज देश में नए-नए अवसर युवाओं के लिए हैं। आप पढ़ाई करके उच्च पदों पर जा सकते हैं। अपना कोई स्टार्ट-अप खड़ा कर सकते हैं, रोजगार शुरू कर उसे आगे बढ़ा सकते हैं। इन सबके लिए ज़रूरी है कि आप टाइम के साथ अपडेट रहें।

14. देश और राज्य की सरकारें हर क्षेत्र में कई योजनाएं लेकर आती हैं। आपको खिलाड़ी बनना है तो उसके लिए भी कई रास्ते होते हैं, ट्रेनिंग के लिए सरकार की योजनाएं होती हैं। आपको पढ़ाई करनी है, उच्च शिक्षा प्राप्त करनी है तो उसके लिए भी स्कॉलरशिप प्रोग्राम होते हैं।

15. आपको अपना स्वरोजगार शुरू करना है तो उसके लिए लोन और दूसरी सहायक स्कीम्स भी होती हैं। खेती-बाड़ी के काम के लिए भी सरकार की कई उपयोगी स्कीम्स, कई लाभदायक प्रोग्राम्स होते हैं।

16. इस तरह अलग-अलग क्षेत्रों में कई प्रावधान है। युवा पीढ़ी के पास असीम अवसर हैं, अपार संभावनाएं हैं, लेकिन अपनी मेहनत करके जीवन बनाना आपके ऊपर निर्भर करता है। आज आप युवाओं से मिलने का अवसर मिला है तो मैं आपको यहीं संदेश देता हूँ कि अपनी योग्यता को पहचानें, अपने ऊपर भरोसा बनाए रखें और पूरी मेहनत से अपने लक्ष्य के लिए जुट जाएं।

17. मैं देख रहा हूँ कि पूरे प्रदेश और बल्कि देश से भी अहीर (यादव) समाज के बड़े-बुजुर्ग और गणमान्य लोग यहाँ उपस्थित हैं। मैं आपसे भी अपील करता हूँ कि आप लोग संकल्प लें कि हम अपनी युवा पीढ़ी को उच्च शिक्षित और संस्कारित बनाएंगे।

18. शिक्षा और उन्नति के क्षेत्र में अहीर समाज ने उल्लेखनीय काम किया है। मैंने जहाँ तक देखा है शिक्षा के विषय पर समाज बहुत जागरूक है। मगर फिर भी मेरा मानना है कि इस दिशा में जब तक काम करने की जरूरत है जब तक हम 100 प्रतिशत बच्चों को शिक्षित ना करें।

19. और सिर्फ़ सामान्य शिक्षा ही नहीं, बल्कि पढ़ने के इच्छुक बालक-बालिका को हम बिना किसी भेदभाव के आगे उच्च शिक्षा के लिए पढ़ाएं; ऐसा संकल्प समाज लें तो मैं समझता हूँ कि अहीर समाज अन्य सभी समाजों के लिए एक उदाहरण बन जाएगा।

20. सामुदायिक भवन और छात्रावास का निर्माण जागरूक और जिम्मेदार समाज करते हैं। इनके माध्यम से हम पूरी पीढ़ी को शिक्षित बना सकते हैं, पूरे समाज को विकसित बना सकते हैं।

21. प्रिय मित्रों, यह वो समय है जब हमारा देश पूरी क्षमता से प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहा है। इस साल भारत अपनी 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है और आने वाले 25 साल बाद देश अपनी आज़ादी की 100वीं वर्षगाँठ मनाएगा।

22. 75 से 100 सालों की यात्रा हमारे देश के लिए और सभी देशवासियों के लिए 'अमृत काल' की तरह है। इस दौरान देश तेजी से आगे बढ़ेगा। मैं समझता हूँ कि देश की इस गति में, देश की प्रगति में हमारी बड़ी भूमिका होनी चाहिए। इसके लिए हमें अभी से प्रयास करने होंगे।

23. आज कोटा में ये सामुदायिक भवन और छात्रावास की नींव रखकर अहीर (यादव) समाज ने देश की तरक्की में एक तरह से अपना योगदान दिया है। प्रगति की यह सोच आगे भी बनी रहे, इसके लिए हमें पूरी ज़िम्मेदारी से काम करना है।

24. अहीर (यादव) समाज के युवा तरक्की की सीढ़ियाँ चढ़ते रहें। उच्च शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में युवा उपलब्धियां हासिल करें। समाज के बड़े-बुजुर्ग युवाओं का मार्गदर्शन करते रहें। समाज के युवा अपनी जड़ों से जुड़कर आगे बढ़ने के लिए काम करें। अपनी परंपराओं और संस्कृति को साथ लेकर आधुनिकता से जुड़ें। समाज को आगे बढ़ाते हुए देश की उन्नति में भी अपना योगदान दें, अपनी भूमिका निभाएं, मैं ऐसी शुभकामनाएं आप सभी को देता हूँ।

25. मैं उम्मीद करता हूँ कि यह छात्रावास और यह सामुदायिक भवन जल्द ही बनकर तैयार होगा। आगे यह समाज के बच्चों को उच्च शिक्षित एवं समर्थ बनाने में उपयोगी सिद्ध होंगे। समाज की उन्नति में ये भवन सार्थक होंगे, इसके लिए आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

धन्यवाद, जय हिन्द।